सत्यमेव जयते

अनुराग त्रिपाठी, भा.रे.का.से.
सचिव

Anurag Tripathi, IRPS
Secretary

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
शिक्षा केन्द्र, 2, सामुदायिक केन्द्र, प्रीत विहार, दिल्ली – 110092

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION
(An Autonomous Organisation under the Ministry of Education, Govt. of India)
Shiksha Kendra, 2, Community Centre, Preet Vihar, Delhi - 110092
फोन / Telephone: +91-11-22549627-28, फैक्स / Fax +91-11-22469735
वेबसाइट / Website: www.cbse.nic.in ई-मेल / E-mail: secy-cbse@nic.in

सितंबर 05, 2021

प्रिय शिक्षक,

शिक्षक दिवस के इस पावन पर्व पर आप सब को सादर नमस्कार एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

शिक्षा का अर्थ होता है - सीखने और सिखाने की क्रिया । शिक्षा द्वारा मनुष्य की आंतरिक शक्तियों एवं व्यवहार को परिष्कृत किया जाता है । शिक्षा द्वारा ज्ञान और कौशल में वृद्धि कर योग्य नागरिक बनाया जाता है । किसी भी देश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि उसके नागरिकों को कितना शिक्षित, परिष्कृत, कुशल और सक्षम बनाया गया है ।

शिक्षा राष्ट्र के प्रमुख स्तंभों में एक है और शिक्षक राष्ट्र निर्माता की भूमिका निभाते हुए देश को योग्य एवं कुशल नागरिक प्रदान करते हैं। एक कुम्हार की तरह वह बच्चों के विभिन्न रूपों को निखारते हैं। एक मूर्तिकार की तरह वह बच्चों के भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को तराशते हैं। एक माली की तरह उपजाऊ वातावरण देकर उनमें असीमित संभावनाओं के द्वार खोलते हैं।

एक शिक्षक के रूप में वह बच्चों को सीखने योग्य वातावरण प्रदान करते हैं। उनके मन में सीखने के प्रति अभिरुचि जगाते हैं। उन्हें जीवन कौशलों एवं क्षमताओं से लैस करते हैं। उन्हें सोचने, समझने, प्रश्न करने और ग़लतियाँ करने की आज़ादी देते हैं। उन्हें निर्णय लेने, पहल करने, विश्लेषण करने, समस्या समाधान करने, रचनात्मक सोच रखने, खोज़ करने, सहयोग करने, नेतृत्व करने एवं सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन जीने की कला सिखाते हैं। अपने उच्च आचरण द्वारा उनमें मूल्यों एवं संस्कारों के बीज बोते हैं।

एक शिक्षक अपने प्रोफ़ेशन से बेहद प्यार करता है। अपने विषय का बृहद ज्ञान अर्जित करता है । शैक्षिक नवाचारों को लागू करता है। सिखाने की नयी-नयी तकनीकें (पेडागॉजी) ईजाद करता है। उच्च संप्रेषण क्षमता (कम्यूनिकेशन) द्वारा ज्ञान को सीख में बदलता है। अपनी कहानी कला, थिएटर पद्धति, संवाद शैली एवं रचनात्मक गतिविधियों द्वारा विषय को अनुभवात्मक, प्रयोगात्मक़, उपयोगी एवं ज्वॉयफुल बनाता है। वह विभिन्न विषयों के अंतरसंबंधों को उजागर करता है। लर्निंग आउटकम द्वारा सीखने के उद्देश्य की सफलता आंकता है। आत्मविश्लेषण, आब्जर्वेशन, मूल्यांकन, फ़ीडबैक एवं परीक्षाओं के माध्यम से छात्रों का व्यापक एवं सतत मूल्यांकन करता है ।

आइए हम सब मिलकर शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देते हुए राष्ट्र के भविष्य निर्माण में अपना योगदान दें। क्योंकि यदि राष्ट्र खूबसूरत और खुशहाल होगा तभी हम सुखी, सम्पन्न और सन्तुष्ट होंगे। और यही हम सब का, मनुष्य जीवन का उद्देश्य भी है।

Anurag Tripath

अनुराग त्रिपाठी
सचिव, सीबीएसई